तकनीक का उपयोग मानव कल्याण के लिए करें-आनंदीबेन पटेल

लखनऊ। प्रदेश की राज्यपाल एवं कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल की अध्यक्षता में आज डॉ एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय, लखनऊ में विश्वविद्यालय के इनोवेशन हब और आई हब गुजरात के सहयोग से आयोजित 'स्टार्टअप संवाद 2.0' कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। इनोवेशन डे और पूर्व राष्ट्रपति डा एपीजे अब्दुल कलाम के जन्मदिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में राज्यपाल ने उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया। इस अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि राज्यपाल ने अपने सम्बोधन में कहा कि डॉ कलाम क्रा युवाओं पर बहुत भरोसा था। उन्होंने कहा कि डा कलाम के अनुसार हमारे युवाओं में इतना आत्मविश्वास होना चाहिए कि 'वे कह सकें 'मैं' इस काम को कर सकता हूँ। यही भावना हमें आगे ले जायेगी।' राज्यपाल ने कहा कि एक तरफजहां इनोवेशन और इक्यूबेशन के माध्यम से स्टार्टअप्स को बढ़ावा देने के लिए स्टार्टअप इण्डिया, स्टैण्डअप इण्डिया, अटल इनोवेशन मिशन, मेक इन इण्डिया आदि अनेक प्रमुख योजनाओं को मूर्तरूप मिला है, तो वहीं दूसरी ओर प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना के माध्यम से कौशल को सम्मान मिल रहा है। उन्होंने कहा कि कौलेबोरेटिव लर्निंग, रिसर्च और इनोवेशन से ही गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा के लक्ष्य की पूर्ति की जा सकती है। राज्यपाल ने कहा कि आज हमारा देश स्टार्ट-अप इको-सिस्टम को मजबूत कर व आत्म-निर्भरता को बढ़ावा देकर नवाचार संस्कृति की ओर बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय की जिम्मेदारी है कि वो अपने छात्रों को डॉ कलाम की तरह तैयार करें। राज्यपाल ने कहा कि स्टार्टअप का ऐसा माहौल बना है कि पिछले कुछ सालों में ही देश में एक लाख से ज्यादा

स्टार्टअप पंजीकृत हैं तथा यूनिकॉर्न की संख्या सौ से ज्यादा है, जिससे रोजगार सृजन हुआ है। उन्होंने कहा कि इस सन्दर्भ में युवाओं के प्रशिक्षण की जिम्मेदारी शैक्षिक संस्थानों और उनके विशेषज्ञों की है। राज्यपाल ने कहा कि भारत के युवाओं पर विश्व का भरोसा बढ़ा है। युवाओं के लिये धरती से लेकर स्पेस तक, सेमी-कंडक्टर से लेकर एआई0 तक अनेक क्षेत्रों में नये अवसर पैदा हो रहे हैं। साइंस और टेक्नोलॉजी पहले केवल किताबों तक सीमित थी, वो अब प्रयोग से आगे बढ़कर ज्यादा से ज्यादा पेटेंट में बदल रही है। स्किल इंडिया, मेक इन इंडिया, डिजिटल इंडिया जैसी योजनाएं छात्र-छात्राओं को कुशल बनाने और आवश्यक दक्षता के साथ युवा कार्यबल तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। इस अवसर पर राज्यपाल ने कहा कि स्टार्ट-अप के लिए धैर्य जरूरी है। उन्होंने कहा कि युवाओं को कठिन परिश्रम से परिणाम तक पहुंचना होगा। कठिन परिश्रम से व्यक्ति और देश आगे बढ़ सकता है। विश्वकर्मा योजना का जिक्र करते हुए राज्यपाल ने कहा कि हर विश्वविद्यालय को चाहिए कि पांच-पांच गांव को चुनकर वहां के लोगों को योजना के लिए प्रशिक्षित करने में योगदान दें। राज्यपाल ने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के सन्दर्भ में नई तकनीकी के दुरुपयोग पर चिन्ता जाहिर करते हुए कहा कि तकनीकी का प्रयोग मानव कल्याण के लिए होना चाहिए। इस अवसर पर राज्यपाल ने स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को ड्रोन चलाने हेतु विश्वविद्यालय द्वारा आवश्यक प्रशिक्षण प्रदान किये जाने को कहा। उन्होंने कहा कि हमारी सोच अच्छी एवं सकारात्मक होनी चाहिए। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि एवं ईडीआईआई के महानिदेशक डॉ सुनील शुक्ला ने कहा कि प्रदेश

डॉ.एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विवि में 'स्टार्ट-अप संवाद 2.0' कार्यक्रम सम्पन्न

में स्टार्टअप इको सिस्टम का परिणाम देखने को मिल रहा है। उन्होंने कहा कि युवा अब नौकरी करने की बजाय रोजगार देने वाले बन रहे हैं। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो जेपी पांडेय ने कहा कि राज्यपाल के मार्गदर्शन में विश्वविद्यालय हर क्षेत्र में आगे बढ़ रहा है। कहा कि आत्मनिर्भर भारत का रास्ता स्टार्टअप के जरिये होकर गुजरता है। कार्यक्रम में एकेटीयू के इनोवेशन हब द्वारा आई-हब गुजरात, हेड स्टार्ट, वी फाउंडर सर्कल, वाधवानी फाउंडेशन, कॉग्नीफाय, यस बैंक और काउंसिल फॉर साइंस एण्ड टेक्नोलॉजी के साथ विभिन्न समझौता ज्ञापनों एमओयू का आदान-प्रदान किया गया। इस दौरान राज्यपाल द्वारा विश्वविद्यालय में स्टार्ट-अप आधारित विभिन्न स्टालों का अवलोकन किया गया, जिसमें विश्वविद्यालय के छात्रों के सहयोग से तकनीक के माध्यम से विविध सरल कृषि यंत्र, एप,, मल्टीफंक्शनल व्हील चेयर व अन्य उपकरण आदि का प्रदर्शन किया गया।